

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कक्षा - 7

हिंदी (पल्लव)

अध्याय – 12

अशोक का शस्त्र-त्याग

भाग – 3

अभ्यास-प्रश्न

मिताली कुमारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

पाठ से —

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो —

(क) मगध और कलिंग के बीच कितने सालों से युद्ध हो रहा था ?

उत्तर : मगध और कलिंग के बीच चार (4) सालों से युद्ध हो रहा था।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) कलिंग के महाराज को युद्धभूमि में वीरगति प्राप्त होने के पश्चात युद्ध का भार किसने संभाला ?

उत्तर : कलिंग के महाराज को युद्ध भूमि में वीरगति प्राप्त होने के पश्चात युद्ध का भार महाराज की कन्या पद्मा ने संभाला।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) राजकुमारी पद्मा ने अपनी सेना से कौन-सा प्रण करने को कहा ?

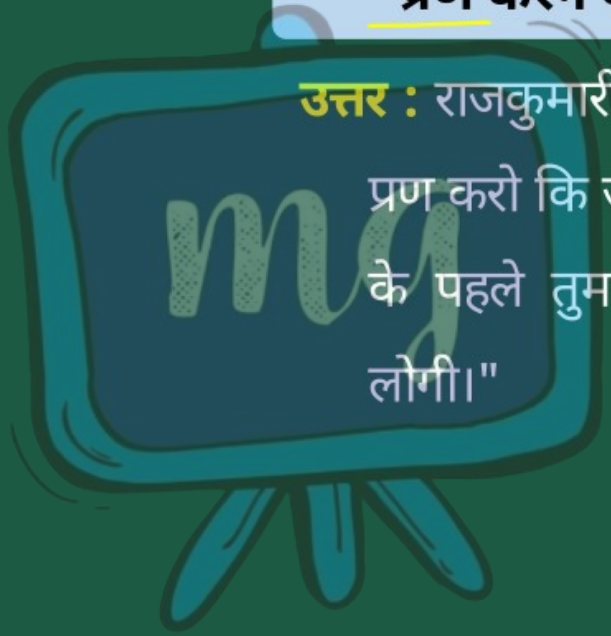

उत्तर : राजकुमारी पद्मा ने अपनी सेना से कहाँ की "तुम प्रण करो कि जननी जन्मभूमि को पराधीन होते देखने के पहले तुम सदा के लिए अपनी आँखें बंद कर लोगी।"

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) राजा अशोक ने किससे अहिंसा की दीक्षा ली?

उत्तर : राजा अशोक ने बौद्ध भिक्षु से अहिंसा की दीक्षा ली।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. उत्तर लिखो —

(क) सम्राट अशोक की चिंता का मूल कारण क्या था ?

उत्तर : सम्राट अशोक की चिंता का मूल कारण था कि चार साल से मगध और कलिंग के बीच युद्ध हो रहा था। दोनों ओर के लाखों लोग मारे गए थे और लाखों घायल भी हुए थे। परंतु वे कलिंग से जीते नहीं थे। इस युद्ध का परिणाम क्या होगा उन्हें पता नहीं था।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) दुर्ग के फाटक खुलने पर अशोक और उसकी सेना के चकित होने का क्या कारण था ?

उत्तर : दुर्ग के फाटक खुलने पर अशोक और उसकी सेना ने देखा कि फाटक के बाहर से शस्त्र-सज्जित स्त्रियों की विशाल सेना उनकी ओर बढ़ने लगती हैं। विशाल सेना के आगे पुरुष भेष में एक वीरांगना को देख वे चकित रह जाते हैं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) युद्धभूमि में पद्मा को सामने देखकर अशोक के मन में क्या-क्या विचार उठे?

उत्तर : युद्ध भूमि में पद्मा को सामने देखकर अशोक को ऐसा लगा कि साक्षात दुर्गा बनकर पद्मा कलिंग की रक्षा करने के लिए युद्ध भूमि में उतर आई है। अशोक ने सोचा कि विजय के लिए वह किसी स्त्रियों का वध नहीं कर सकता। इसीलिए उसने युद्ध न करते हुए तलवार नीचे फेंक दी।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) बौद्ध भिक्षु ने अशोक से क्या-क्या प्रतिज्ञाएँ करवाई थीं ?

उत्तर : बौद्ध भिक्षु ने अशोक से कुछ इस तरह से प्रतिज्ञाएँ करवाते हुए कहा कि- मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि जब तक मेरे शरीर में प्राण रहेंगे अहिंसा ही मेरा धर्म होगा। में सबसे प्रेम करूँगा और मेरी करुणा का सदाव्रत आप सबको मिलेगा। साथ ही साथ यह भी प्रतिज्ञा करवाया गया की वह अपने प्रजा की भलाई करेगा और सब प्राणियों को खुश और शांति पहुंचाने का प्रयत्न करेगा।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) बौद्ध धर्म की किन्हीं दो वाणियाँ लिखो।

उत्तर :

1. सभी प्राणियों से सुख और शांति पहुंचने का प्रयत्न करो।
2. सभी धर्म को समान दृष्टि से देखो।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

पाठ के आस-पास —

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दो —

(क) राजकुमारी पद्मा की तरह हमारे देश में अनेक वीरांगनाएँ अपनी आजादी के लिए युद्धभूमि में उतरी थीं। ऐसी किन्हीं पाँच वीरांगनाओं के नाम बताओ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उत्तर : राजकुमारी पद्मा की तरह हमारे देश में अनेक वीरांगनाएँ है जिन्होंने अपनी आजादी के लिए युद्ध भूमि में अपना योगदान दिया है। उनके नाम कुछ इस प्रकार है-

(i)झांसी की रानी लक्ष्मीबाई,

(ii) कनकलाता बरूआ,

(iii)कस्तूरबा गांधी,

(iv)विजय लक्ष्मी पंडित

(v)सरोजिनी नायडू।

(ख) "युद्धभूमि में सैनिक सैनिक होता है- स्त्री या पुरुष नहीं?" इस विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उत्तर : अपने देश के प्रति श्रद्धा और देश के लिए शहीद होना ही एक सच्चे सैनिक का कर्तव्य होता है। अपने कर्मभूमि के लिए वह किसी भी रणभूमि में लड़ सकता है। सैनिक होने के लिए कोई विशेष जाति-धर्म, रंग-रूप या स्त्री पुरुष होना अनिवार्य नहीं है। देश का वह हर एक व्यक्ति सैनिक है जिसने शस्त्र उठाकर रणभूमि में जाकर शत्रु से लड़ने का प्रण लिया है। इसलिए कहा जाता है कि "युद्ध भूमि में सैनिक सैनिक होता है- स्त्री या पुरुष नहीं।"